Gwalior Dhwani

Gwalior Diocesan News Bulletin

May 2023 Vol. 4/ Book 5

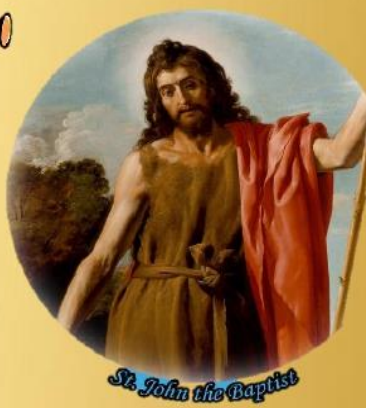

HEARTY

CONGRATULATIONS DEAR

FR. ROSHAN KERKETTA

HEARTY

CONGRATULATIONS DEAR

DN. SANU ALUNKAL

Gwalior Dhwani
Diocesan News Bulletin

Most Rev Bishop
Joseph Thykkattil
(Patron)

Editorial Board
Rev. Fr. Johnson B. Maria
Rev. Fr. C. Alphonse
Rev. Fr. Isaac Akash
Mrs. Roseline Sikarwar

Address
Karuna Bishop's House,
Jonagar, Kheriya Modi, Morar
Gwalior – 474006

gwaliordhwani@gmail.com

(For private Circulation only)

Celebrations May 2023

01. Bp. J. Thykkatttil (F)
01. Bp. J. Kaithathara (EO)
Fr. Pius (O)
Fr. A. Harshal (O)
Fr. John D'Souza (O)
Fr. Rohit (O)
Fr. Johnson B. (O)
08. Fr. Nabor Lakra OSB (O)
18. Fr. Jose P. OSB (O)
20. Fr. J. Chakkalakkal (O)
21. Fr. A. David (B)
24. Fr. Joseph M.A.(B)

Holy Father's Universal Prayer Intention:

For church movements and groups:

We pray that Church movements and groups may rediscover their mission of evangelization each day, placing their own charisms at the service of needs in the world.

Editorial

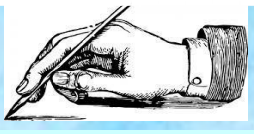

धीरे-धीरे गर्मी का आगमन होता जा रहा है। हालांकि दूसरे वर्षों की तुलना में इस बार अप्रैल का महीना थोड़ा कम गरम था। खैर ऐसे ही "थोड़ा कम गरम" होने की आशा मई महीने से नहीं की जा सकती। गर्मी में अपना ख्याल रखना बहुत जरूरी है। जब भी गर्मी में घर से बाहर निकलें, कुछ न कुछ तरल पदार्थ पीकर निकलें। बच्चों की गर्मी की छुट्टियाँ भी शुरू हो गईं हैं। लेकिन गर्मी की छुट्टियों का मतलब ये कतई नहीं हैं कि बच्चे पढ़ाई से बिल्कुल नाता तोड़ लें, और किताब-कॉपियों से हाथ भी न लगाएं। बच्चों को चाहिए कि कम से कम एक घंटे सुबह और एक घंटे शाम को पढ़ाई जरूर करें, बल्कि इससे ज्यादा समय के लिए पढ़ाई करें। इन दिनों जगह-जगह पर कई तरह से कोर्स कराए जाते हैं, जैसे कि डांस क्लासेस, म्यूजिक क्लासेस, तैराकी, चित्रकला, कराटे, कोई नई भाषा आदि। इन छुट्टियों का सदुपयोग करते हुए कुछ नया जरूर सीखें।

अप्रैल का महीना हमारे लिए बहुत कुछ देकर गया है। 16 अप्रैल को धर्मप्रान्त के लिए ब्रदर सानू के रूप में एक नया उपयाजक मिला है। उससे भी बढ़कर 23 अप्रैल को हमें फादर रोशन केरकट्टा के रूप में एक नया पुरोहित मिला है। फादर रोशन पिछले छः माह से सेंट कोल्बे चर्च, इन्दरगढ़ में उपयाजकीय कार्य कर रहे थे। आज की दुनिया में ऐसे बहुत कम लोग हैं, जो पुरोहिताई का जीवन जीने के लिए स्वयं को समर्पित करना चाहते हों। बहुत कम ऐसे माता-पिता हैं जो अपने बच्चों को प्रभु के लिए देना चाहते हों। आज हमें पुरोहिताई के लिए आगे आने के लिए प्रार्थना करनी है, और साथ ही जो लोग पुरोहित बन चुके हैं, उन्हें अच्छे पुरोहित बने रहने के लिए प्रार्थना की जरूरत है। इस बार कई पल्लियों में फादर लोगों के स्थानातरण भी हुए हैं। नये पुरोहित के साथ सहयोग करके हम अपनी-अपनी पल्लियों और संस्थाओं को आगे बढ़ा सकते हैं। इसके लिए सभी को शुभकामनायें ।

मई का महीना माता मरियम की भक्ति का महीना है। लोग अलग-अलग प्रकार से माता मरियम की भक्ति करते हैं। कुछ लोग सरधना जाते हैं। सरधना में माता मरियम को समर्पित बहुत बड़ा महागिरिजाघर है। 7 मई की रात्रि को लोग प्रार्थना करते हुए मेरठ से सरधना के लिए पैदल यात्रा करते हैं। करीब 25 किलोमीटर का यह सफर प्रार्थना से भरा और अनोखा अनुभव देता है। इस बार 24 मई को हमारे धर्मप्रांत के विभिन्न पल्लियों से बहुत लोग राष्ट्रीय हिन्दी बाइबल कन्वेन्शन (हिन्दी आध्यात्मिक साधना) के लिए केरल जा रहे हैं। इस दौरान वे लोग केरल के विभिन्न प्रसिद्ध गिरिजाघरों और तीर्थस्थलों के दर्शन भी करेंगे। यह तीर्थ यात्रा परम श्रद्धेय बिशप जोसेफ थाइकट्टईल के मार्गदर्शन एवं ग्वालियर ध्वनि के तत्वाधान में आयोजित की जा रही है। इस तीर्थयात्रा की सफलता के लिए प्रार्थना की जरूरत है।

प्रार्थनाओं के साथ,
ग्वालियर ध्वनि की टीम की ओर से
फादर जॉनसन मरिया

Shepherd's Voice

May 01, 2023

Dear Fathers, Sisters, Brothers, Lay Faithful and Children,

Jai Jesus!

We are in the month of May, a month dedicated to the devotion to Our Blessed Mother Mary. Let our families recite the rosary together. There are books of May devotion with scripture reading and prayer for each day of the month, which can be used for the family devotion.

May 01st is the Feast of St Joseph the Worker. We pray for all workers who engage in hard labour in sun and rain. Often these unorganized labourers lack of minimum facilities for a dignified life. They and their children struggle to earn for their daily needs. Often, they become victims of deprivation and want. Let us take extra care of these people in our surroundings, institutions and parishes. Let us move towards them to alleviate their pain than waiting for them to approach us with requests. Many of the facilities we enjoy in our life have a grassroot level contribution by these hardworking labourers.

Most Rev Bishop Dr Joseph Kaithathara enters into the Silver Jubilee Year of his Episcopal Ordination on 01st May. Your Grace, congratulations, prayerful wishes and thanks.

My sincere best wishes to all our priests who take-up new office during these days. It is an opportunity given by God to serve the Church and people. We cannot count on our eligibility and human capabilities. Let prayer, hard work, humility and service mindedness be our strength. May you be welcomed by loving atmosphere and co-operating team members. I wish you success.

I take this opportunity to thank and appreciate Sr. Asha Benan, Indargsrh and Sr. Helen DSH, Datia, for their dedicated service at Indargarh and Datia schools. The Diocese of Gwalior will remain ever grateful to them. I wish them all the best in their future undertaking.

My best wishes for the Youth Camp and the seminarians live together.

SUMMER SCHOOL FOR FAITH FORMATION: 01ST WEEK OF MAY
(One week) from morning 06-30 to 09-25.

I propose each parish to organize Summer School for Faith Formation for our children.

A TENTATIVE TIME TABLE:

06-30 to 07-00	Guided meditation (whole school)
07-00 to 07-30:	Devotional song practice (whole school)
07-30 to 07-55:	I believe (Catholic Faith) (class vice)
07-55: --------	Snacks
08-05 - 08-30:	Bible Parable enacting (class vice)
08-30 - 09-00:	Sacraments
09-00 - 09-25:	Common prayers (class vice)
09-25: --------	Cooldrinks

All priests will have Summer Live Together **on 22nd and 23rd June** at Karuna.
22nd morning: Clergy Spiritual Recollection and Felicitation to Bp Joseph Kaithathara.
22nd evening: CLT 01st session.
23rd morning: CLT 02nd session
23rd evening: CLT 03rd session
Very Rev Msgr. Lawrence D'Souza VG and Rev Fr A David, Clergy Director in consultation will propose a tentative program.

My dear brothers and sisters, protect yourself from extreme heat. Drink more water and eat vegetables and fruits. May Jesus keep you all safe and sound. Thank you for your love and prayers.

May you all receive God's blessings in abundance.
We have to work hard and pray more.
Love and Prayers.

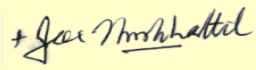

+Joseph Thykkattil

Bishop's Engagements, May 2023

01st. Clergy Recollection &
Ep. Ordination Anniversary of Bp Kaithathara.
02nd. Seminarians' One Day Live Together.
24th. Divine Retreat & Pilgrimage group leaves to Kerala
26th. Welcoming the Pilgrims at Thrissur.
27th. Holy Mass at Our Lady of Pompei Shrine.
28th. Feast of Our Lady of Pompei, Konchira.

स्वर्ग की रानी प्रार्थना में पोप : येसु के लिए अपना हृदय खोलें

पास्का के तीसरे रविवार को संत पापा फ्राँसिस ने स्वर्ग की रानी प्रार्थना का पाठ किया एवं विश्वासियों को निमंत्रण दिया कि वे हर दिन शाम को येसु के साथ समय बिताना सीखें, ताकि वे हमें जीवन के विभिन्न आयामों को दिखा सकें।

वाटिकन स्थित संत पेत्रुस महागिरजाघर के प्राँगण में रविवार 23 अप्रैल को संत पापा फ्राँसिस ने भक्त समुदाय के साथ स्वर्ग की प्रार्थना का पाठ किया, स्वर्ग की रानी प्रार्थना के पूर्व उन्होंने विश्वासियों को सम्बोधित कर कहा, प्रिय भाइयो एवं बहनो, सुप्रभात।

पास्का के इस तीसरे रविवार को, सुसमाचार पाठ पुनर्जीवित प्रभु के एम्माउस के रास्ते पर शिष्यों के साथ मुलाकात की घटना का वर्णन करता है। (लूक. 24:13-35) ये ही दो शिष्य हैं जिन्होंने पास्का के दिन येरूसालेम छोड़ने और घर जाने का निर्णय लिया। और जब वे उदास होकर हाल की घटनाओं पर बात करते हुए राह चल रहे थे तब येसु उनके साथ चलने लगे किन्तु उन्होंने उन्हें नहीं पहचाना। उन्होंने उनसे पूछा कि वे क्यों इतने उदास हैं तब उन्होंने कहा, "येरूसालेम में आप ही एक अजनबी हैं! इन दिनों वहाँ क्या हुआ है उसे आप नहीं जानते?" (पद.18) उन्होंने कहा, "क्या हुआ है?" (पद 19)

अपनी कहानी का पुनः अवलोकन

येसु ने उनसे घटना के बारे बताने के लिए आग्रह किया और उन्होंने पूरी कहानी बतलायी: चलते-चलते वे उन्हें ईश्वर के वचन के प्रकाश में तथ्यों को एक अलग तरीके से फिर से समझने में मदद देना चाहते थे। संत पापा ने चिंतन हेतु प्रेरित करते हुए कहा, "आइए, इस पहलू पर गौर करें।"

वास्तव में, हमारी कहानी को येसु के साथ पुनः समझना हमारे लिए महत्वपूर्ण है : हमारे जीवन की कहानी, हमारी निराशाओं और उम्मीदों के साथ हमारे दिनों के कुछ खास समय को। दूसरी ओर, हम भी उन शिष्यों की तरह, हमारे जीवन में घटनेवाली घटनाओं के सामने, कई सवालों एवं चिंताओं के साथ अकेला एवं अनिश्चित महसूस करते हैं।

प्रतिदिन अंतःकरण की जाँच करें

आज का सुसमाचार पाठ हमें निमंत्रण देता है कि हम येसु को सब कुछ बतलायें, बिना भय उन्हें परेशान करें, गलत कहने के डर के बिना, समझने के हमारे संघर्ष पर शर्मिंदा हुए बिना। जब हम अपने आप को उसके सामने खोलते हैं तो प्रभु प्रसन्न होते हैं; केवल इसी तरह से वे हमारा हाथ पकड़कर ले सकते हैं, हमारा साथ दे सकते हैं और हमारे दिलों को फिर से प्रज्वलित कर सकते हैं। (पद.32) संत पापा ने कहा, "अतः हम भी एम्माउस के शिष्यों की तरह, बातचीत करने के लिए प्रेरित किये जाते हैं ताकि जब शाम हो जाए, तो वे हमारे साथ रह सकें।"(पद 29)

उन्होंने विश्वासियों से कहा, "इसको करने का एक सुन्दर तरीका है और आज मैं आप सभी के सामने प्रस्ताव रखता हूँ। इसके लिए कुछ समय समर्पित करना होगा, हर शाम को अंतःकरण की जाँच करें।" यह क्या है?

मेरा दिनचर्या कैसा है?

यह वास्तव में येसु के साथ फिर से अवलोकन करना है, उनके लिए अपना हृदय खोलना है, लोगों के चुनाव, डर, पतन और उम्मीदों को उनके पास लाना है; धीरे-धीरे चीजों को दूसरी नजर से देखना है, सिर्फ हमारी नहीं उनकी नजर से देखना। इस तरह हम उन दो शिष्यों के अनुभवों को पुनः जी सकते हैं। ख्रीस्त के प्रेम से सामने, थकान और असफलता भी एक अलग प्रकाश में प्रकट हो सकता है: एक क्रूस जिसे स्वीकार करना मुश्किल है, एक अपराध जिसे क्षमा करना कठिन है, एक गलती जिसके लिए बदले की भावना आती, काम की थकान, ईमानदारी जिसकी कीमत चुकानी पड़ती है, पारिवारिक जीवन की चुनौतियाँ आदि के सामने एक नया प्रकाश प्रकट होगा कि क्रूसित एवं पुनर्जीवित प्रभु जानते हैं कि हर पतन को एक कदम के रूप में आगे किस तरह बढ़ाया जा सकता है। लेकिन ऐसा करने के लिए बचाव को हटाना होगा, येसु के लिए समय एवं स्थान देना होगा, उनसे कुछ नहीं छिपाना, अपनी दुर्दशा को उनके पास लाना होगा, उनकी सच्चाई को स्वीकारना होगा, अपने हृदय को उनके वचनों के कंपन से धड़कने देना होगा।

संत पापा ने कहा, "इसकी शुरूआत हम आज ही कर सकते हैं, शाम को कुछ समय प्रार्थना में व्यतीत कर, जिसमें हम अपने आप से पूछ सकते हैं: मेरा दिन कैसा रहा? कौन सी मोतियाँ थीं, शायद छिपी हुई, जिनके लिए मुझे धन्यवाद देना है? मैंने जो किया उसमें क्या थोड़ा प्रेम था? अपने गलतियों, उदासी, संदेह और भय को येसु के पास लायें ताकि वे हमारे लिए नये रास्ते खोल सकें, हमें उठा सकें एवं प्रोत्साहन दे सकें?"

तब माता मरियम से प्रार्थना करते हुए संत पापा ने कहा, "कुँवारी मरियम, हमें येसु को पहचानने में मदद दे जो हमारे साथ चलते और हम अपने प्रतिदिन के जीवन को उनके सामने रख सकें।"

सीसीबीआई ने नया संशोधित अभिषेक अनुष्ठान पुस्तक प्रकाशित किया

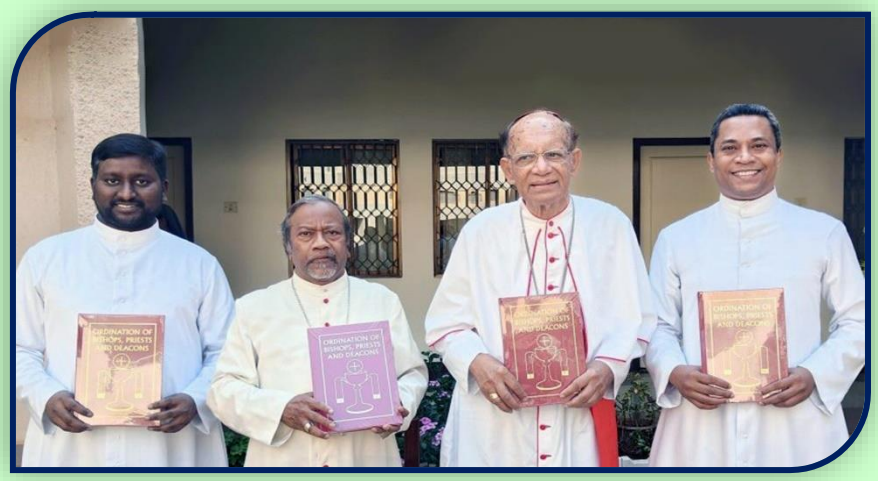

मुम्बई के महाधर्माधियक्ष, कार्डिनल ओसवाल्ड ग्रेसियस ने मंगलवार 18 अप्रैल 2023 को बैंगलोर में महाधर्माध्यक्ष के आवास में आयोजित एक समारोह में बैंगलोर के महाधर्माध्यक्ष पीटर मचाडो को न्यू रिवाइज्ड ऑर्डिनेशन रिचुअल की पहली प्रति सौंपते हुए इसे जारी किया।

बैंगलोर, 19 अप्रैल 2023 (सीसीबीआई) : बैंगलोर में महाधर्माध्यक्ष के आवास में आयोजित एक समारोह में नया संशोधित अभिषेक धर्मविधि अनुष्ठान पुस्तक प्रकाशित किया गया। इस समारोह में सीसीबीआई के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल, डॉ. फादर स्टीफन अलथारा, एसोसिएट डायरेक्टर फादर विनान दास और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

नया संशोधित अनुष्ठान पुस्तक वर्तमान में धर्माध्यक्षों, पुरोहितों और उपयाजकों के अभिषेक के लिए उपयोग किए जाने वाले अनुष्ठान पुस्तक को बदल देगा। "दे ऑर्डिनाशियोने एपिस्कोपी, प्रेस्बिटेरोरुम, एट डायकोनोरुम", का अंग्रेजी अनुवाद 'दी ऑर्डिनेशन ऑफ बिशप्स, ऑफ प्रीस्ट्स एंड डीकन्स' का नया संस्करण, दिव्य भक्ति और संस्कार संबंधी परमधर्मपीठीय धर्मसंघ (1990 और 2011) द्वारा अनुमोदित किया गया है।

भारत के काथलिक धर्माध्यक्षीय सम्मेलन ने 7 से 14 जनवरी 2019 तक आयोजित अपनी 31वीं आम सभा में दे ऑर्डिनाशियोने एपिस्कोपी, प्रेस्बिटेरोरुम एट डायकोनोरुम के इस अंग्रेजी अनुवाद को प्रामाणिक रूप से अनुमोदित किया। यह बाद में सम्मेलन के पूरे क्षेत्र में उपयोग के लिए 22 फरवरी 2021 को दिव्य भक्ति और संस्कार संबंधी परमधर्मपीठीय धर्मसंघ द्वारा पुष्टि की गई।

11 नवंबर 2022 को सीसीबीआई के अध्यक्ष कार्डिनल फ़िलिप नेरी फेराओ द्वारा जारी किए गए डिक्री में कहा गया है कि "भारत के काथलिक धर्माध्यक्षों का सम्मेलन धर्माध्यक्षों, पुरोहितों और उपयाजकों के अभिषेक के धर्मविधिक उपयोग के लिए इस संस्करण के प्रकाशन का आदेश देता है। इस तिथि से नया संस्करण भारत में लैटिन काथलिक कलीसियाओं के सभी धर्मप्रांतों में उपयोग में आने वाले सभी पिछले प्रकाशनों की जगह ले रहा है।"

खजूर रविवार के साथ पुण्य सप्ताह प्रारंभ हुआ। इस दौरान खजूर की डालियों पर आशिष देकर सभी खीस्तीय विश्वासियों को वितरित की गई इसके पश्चात् सभी विश्वासीयों ने जुलूस के रूप में खजूर की डालियाँ लेकर गीत "राजाओं का राजा आ रहा है होवे जयजयकार" गाते हुए चर्च में प्रवेश किया।

येसु ने क्रूस-मरण से पूर्व अपने शिष्यों के पैर धोकर सेवा भाव का संदेश दिया था। उसी स्मारण में गुरुवार शाम को संत जॉन महागिरजाघर लश्कर में मिस्सा बलिदान अर्पित कर एवं चर्च के 12 सदस्यों को चुन कर प्रभु येसु के 12 शिष्यों के प्रतीक के रूप में उनके पैर धोए गये। संत जॉन महागिरजाघर लश्कर में ग्वालियर धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष डॉ जोसफ थायकाटिल, पल्ली पुरोहित फा. जोसफ चिपसन, सहायक पल्ली पुरोहित फा. पवन डेविड एवं धर्माध्यक्ष के सचिव फा. हेमंत बाग ,भजन मंडली द्वारा भजन "मेने प्रभु और गुरु होकर भी धोए पैर तुम्हारे, तुमको भी हैं धोना सबके जो हैं भाई तुम्हारे " गाया गया । यह दिन पुण्य बृहस्पतिवार कहलाता है ।

संत पॉल चर्च मुरार में पास्का जागरण की मिस्सा संपन्न हुआ। इस दौरान चर्च में पहुंच कर चर्च का घंटा बजाकर महिमागान गाकर प्रभु यीशु के पुनर्जीवित होने का संदेश दिया। मिस्सा के दौरान पवित्र जल की आशीष एवं बपतिस्मा की प्रतिज्ञा सभी विश्वासीयो द्वारा दोहराई गई एवं सभी पर पवित्र जल छिड़का गया।

Most Rev. Joseph Thykkattil Bishop of Gwalior ordained Sanu Alunkal as a Deacon on 16, April 2023 for the catholic Diocese of Gwalior. The ceremony took place at 'Karuna' Kheriya Modi, Gwalior. Most Rev. Joseph Thykkattil Presided over the liturgy and Most Rev. Dr. Joseph Kaithathara Bishop emeritus, Msgr. Rev. Lawrence D'Souza Vicar General and all the fathers of the diocese were concelebrants. Many lay people and religious from different parts of the diocese joined in this happy occasion and made the day memorable with their singing and active involvement. During the felicitation programme the diocese expressed their love towards Deacon and his family and the Deacon conveyed his gratitude to the Bishops, Priests, Religious and lay people of the diocese. Msgr. Rev. Lawrence D'Souza Vicar General, Rev.Fr. David Rector of the minor seminary, Rev. Fr. M. A Joseph Financial administrator and Rev. Fr. Hemant bishop's secretary organized everything for the day. The program concluded with a delicious dinner.

Holy Mass offered by Most Rev Bishop Joseph Thykkattil for the participants for Pre- marriage course at Vianney Bhavan, Purani Chawni, Gwalior

TWO INMATES WERE RELEASED BY THE LEGAL PENALTY SPONSORED BY REGIONAL PMI TEAM, GWALIOR.

On 4thTuesday the Oil of the Sick and the Oil of the Catechuments were blessed and the Oil of Holy Chrism was consecrated during the Chrism Mass at St. Paul's Church, Morar. The Holy Eucharist was presided over by His excellency Most Rev. Joseph Thykkattil Bishop of Gwalior. Most Rev. Dr. Joseph Kaithathara and priests of the diocese were concelebrants. Many sisters, lay faithful and seminarians participated in the Eucharist. Most Rev. Joseph Thykkattil said in his homily that "There are three oils that are blessed to assist us in Church. Sacred Chrism, the Oil of the Sick and the Oil of the Catechumens. The oil of the sick, which is pure olive oil, is used for the Sacrament of the Anointing of the Sick. Both adults and infants prior to baptism are anointed with the oil of the catechumens, which is also pure olive oil. The third oil, Holy Chrism Oil, is olive oil mixed with balsam. The oil symbolizes strength, and the anointing with Chrism Oil signifies the gift of the Holy Spirit.

उपयाजक रोशन लूकस केरकेट्टा का पुरोहिताभिषेक

संत पॉल चर्च मुरार में संपन्न हुआ। धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष डॉ. जोसफ थायकाटिल ने इस अवसर पर मिस्सा बलिदान अर्पित किया। मिस्सा के पश्चात विभिन्न पल्ली के युवाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। नवअभिषिक्त फादर रोशन केरकेट्टा द्वारा केक काटा गया, साथ ही फादर रोशन केरकेट्टा के परिजन ने धर्माध्यक्षगण का स्वागत सम्मान करते हुए उनका आभार व्यक्त किया, तत्पश्चात पुरोहितों एवं लोगों द्वारा नवअभिषिक्त फादर रोशन को पुरोहिताभिषेक की बधाई दी। इस अवसर पर धर्मप्रांत के पूर्व धर्माध्यक्ष डॉ. जोसफ कैथातारा, विकार जनरल फादर लॉरेंस डिसूजासंत पॉल चर्च के सहायक पल्ली पुरोहित फादर पायस धर्मप्रांत के गुरुकुल के आचार्य फादर ऐ. डेविड, नवअभिषिक्त उपयाजक सानू अलुनकल, जबलपुर धर्म प्रांत के पुरोहितगण एवं धर्मप्रांत के पुरोहितगण धर्म बहनें, धर्मभाई एवं धर्मप्रांत के विश्वासीगण उपस्थिति थे।

Rev Fr. John Xavier takes charge as Principal of Holy Cross Ashram School, Datia.

29 April to 01 may 2023 Life Orientation Program was conducted in St. VIANNEY BHAVAN, Pastoral Centre, Purani Chawani by Diocesan Youth Commission & YCS/YSM under the leadership of Fr. Lourdu Nathan and resource person Capt. Jason Thomas.

दिनांक 30 अप्रैल 2023 को संत पॉल गिरजाघर में धर्म प्रांतीय महिला दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत मिस्सा बलिदान से हुई। श्रद्धेय फादर डेविड ने मिस्सा बलिदान चढ़ाया। उनके साथ वेदी पर फादर पायस , फादर हेमंत, फादर जॉनसन बी मरिया ,फादर आइसक आकाश, फादर सबेस्तियन ,उपयाजक शानू मौजूद थे । मिस्सा बलिदान में फादर आइसक आकाश ने अपने प्रवचन में बाइबल की स्त्रियों में से एक, रूत के जीवन पर प्रकाश डाला। मिस्सा बलिदान के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती ममता गुप्ता जो डिप्टी कलेक्टर ग्वालियर की धर्मपत्नी है ,मौजूद थीं। कार्यक्रम में विभिन्न पल्लियों से आई महिलाओं ने समूह गीत, लघु नाटिका व समूह नृत्य प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में धर्म प्रांतीय महिला मंडल की सचिव श्रीमती मेरी धनराज ,पुरोहित गण, धर्म बहनों के साथ काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर 2022- 23 में सेवानिवृत्त महिलाओं का शॉल देकर सम्मान किया गया।

CARITAS GWALIOR

A HUMBLE DIOCESAN EFFORT TO RAISE RESOURSES TOWARDS SOCIAL WELFARE ACTIVITIES

Even the poorest of the poor can be a part of this

Remember the needy and contribute to CARITAS GWALIOR especially of the times of celebrations: Marriage, Feast, First Holy Communion, Confirmation, Jubilee, Baptism, Success in Exams, Getting a Job, New House, Parish Feast, Pastoral Visitation etc.

April, 2023

St John the Baptist Cathedral, Lashkar: Rs. 29,500/-

Send your Valuable Contribution to

Please WhatsApp a copy of your 'id proof' and amount to the Financial Administrator's contact number: 8462963204 for accounting purpose, Thank you.
With sincere thanks,
Financial Administrator

Acc Name:	**Caritas Gwalior**
A/C No:	**945420110000348**
Bank:	**Bank of India Morar, Gwalior**
IFSC:	**BKID0009454**
MICR:	**47401300**

PROJECT 'अपना घर'

INFANT JESUS SHRINE AND MULTIPURPOSE SPIRITUALITY CENTER, DABRA
FOR THE GLORY OF GOD AND WELFARE OF HUMANITY

WORK IN PROGRESS

APRIL, 2023

Mr. Devendre Kulshreshth **Rs. 10,000/-**

Thank you for the help. May you and your family/community receive God's Blessings in abundance.

Send your valuable contribution to

Acc Name:	**Infant Jesus Shrine Dabra**
Acc No:	**53610100006876**
Branch:	**Dabra**
IFSC:	**BARBODABRAX**
MICR CODE:	**475012051**

BANK OF BARODA, DABRA.

Please WhatsApp a copy of your 'id proof' and amount to the Financial Administrator's contact number: 8462963204 for accounting purpose, Thank you.

With sincere thanks,
Financial Administrator

कान्तालिस के सन्त फेलिक्स
(पर्व दिवस 18 मई)

सन्त फेलिक्स का जन्म इटली के कान्तालिस नगर में सन् 1518 में हुआ। उनके माता-पिता बड़े धार्मिक थे। किन्तु वे बहुत ही गरीब थे जिससे वे फेलिक्स की शिक्षा का कुछ प्रबन्ध नहीं कर सके। इसलिए वे बाल्यावस्था से ही गड़ेरिया बने और किसी धनी पड़ोसी के भेड़ों को चराते थे।

गड़ेरियों को झुंड की रखवाली करते समय सोच-विचार और प्रार्थना के लिये काफी समय मिल जाता था। अतः फेलिक्स को भी इसके लिए बहुत अवसर मिला। जब भेड़ें चरने के बाद विश्राम करतीं, तब बालक फेलिक्स एक पेड़ की छाया में बैठकर प्रार्थना एवं मनन किया करते थे। वे बहुधा हमारे प्रभुवर के दुःख भोग के मनन में देर तक तल्लीन रहते थे। फलस्वरूप वे स्वयं को ईश्वर की सेवा में समर्पित करने के विषय में विचार करने और प्रार्थना के द्वारा ईश्वर की इच्छा की खोज करने लगे।

सयाना होने पर फेलिक्स ने कापुचिन धर्मसंघ में प्रवेश लिया और एक धर्मबन्धु बने। उन्होंने वहाँ के कठिन तपस्यामय जीवन को बड़ी खुशी से अपनाया, और अपनी आज्ञाकारिता, सरलता, नम्रता, परिश्रम एवं तपस्या के द्वारा वे सबके लिए आदर्श बन गये। वे अपने प्रत्येक साथी धर्मबन्धु को अपने से अधिक भला समझते थे। सन् 1548 में उन्होंने संघ में अन्तिम व्रत लिये। उस समय वे 30 वर्ष के थे। चार वर्षों के पश्चात् उन्हें रोम भेजा गया जहाँ उनका कार्य था-प्रतिदिन शहर में जा कर भोजन तथा अन्य आवश्यकताओं के लिए भीख माँगना। यह कार्य बड़ा कठिन तथा कष्टमय था। किन्तु फेलिक्स को इनमें बड़ा आनन्द आता; क्योंकि थकान, अपमान, तथा कष्ट सहने के बहुत अवसर मिलते थे; इससे उन्हें अपने प्रभुवर के दुःखों में सहभागी होने के अवसर निरन्तर प्राप्त होते थे। फेलिक्स उन कष्ट पीड़ाओं को प्रभुवर येसु के चरणों में अर्पित करते थे। साथ ही माँ मरियम के प्रति उनके हृदय में पुत्र-तुल्य प्रेम था। कोई भी उन्हें कुछ देता तो वे बड़े प्रेम से ईश्वर को धन्यवाद कहते हुए दान को ग्रहण करते थे। यहाँ तक कि रोम की सड़कों पर घूमने वाले शरारती लड़कों ने उनका नाम 'ब्रदर धन्यवाद' रख लिया था।

सरल हृदय फेलिक्स को बच्चों से बड़ा स्नेह था और वे उनको ऐसे छोटे, सुन्दर गाने सिखाते थे जिनमें भलाई की सुन्दरता और पाप की बुराई का वर्णन होता था। अपनी गहरी दीनता के कारण वे अपने को कापुचिन समाज का गधा कहा करते थे; और दूसरों के बोझ ढोने का काम चुपके से किया करते थे।

जब वे मृत्यु-शैया पर थे, माता मरियम ने उन्हें दर्शन देकर सांत्वना दी और अपने साथ स्वर्गीय निवास में ले गयी। उस समय उनकी आयु 70 वर्ष थी। उनकी मृत्यु के पश्चात् उनकी मध्यस्थता से कई चमत्कार हुए। सन् 1709 में उन्हें सन्त घोषित किया गया।

सन्त फेलिक्स का कहना था कि संसार की सभी सृष्ट वस्तुएँ हमारे हृदय को ईश्वर की ओर उठा सकती हैं, यदि हम उन्हें भली नज़र से देखते हैं। उनका पर्व 18 मई को मनाया जाता है

Most Rev. Joseph Thykkattil
Bishop of Gwalior

Karuna, Bishops House
Jonagar, Kheriya Modi,
Morar, Gwalior-474006 INDIA
Mobile : 9412162181, 6397118346
Email : joethykkattil@gmail.com

CIRCULAR, APRIL 2023-APPOINTMENTS

Dear Fathers, Sisters and Lay Faithful

Jai Yesu,
After much consultations and prayers, I appoint you for the following office for the glory of God and welfare of our Diocese of Gwalior.

No	NAME	PLACE	DESIGNATION
1	Rev. Fr. Joseph Chipson	St. John the Baptist Cathedral, Lashkar	Secretary, Commission for Education
2	Rev. Fr. Roshan L. Kerketta	St. John the Baptist Cathedral, Lashkar	Asst. Parish Priest
3	Rev. Fr. Pius Kalathiveettil	St. Paul's Church, Morar	Parish Priest
4	Rev. Fr. David P. Tirkey	St. Paul's Church, Morar	Asst. Parish priest
	Rev. Fr. David P. Tirkey	St. Paul's School, Morar	Asst. Principal
5	Rev. Fr. John Xavier	Holy Cross School, Datia	Principal
6	Rev. Fr. Alphonse C.	Holy Cross Church, Datia	Socius
7	Rev. Fr. Isaac Akash	St. Gonzalo Garcia Church, Pohri	Parish Priest
	Rev. Fr. Isaac Akash	St. Gonzalo Garcia School, Pohri	Principal
	Rev. Fr. Isaac Akash	Gwalior Dhwani	Associate Editor
8	Rev. Fr. Stanislas Bandanadam	St. Michael Church, Bhind	Parish Priest
	Rev. Fr. Stanislaus Bandanadam	St. Michael School, Bhind	Principal
9	Rev. Fr. Martin Joseph	St. Michael Church, Bhind	Co Pastor
	Rev. Fr. Martin Joseph	St. Michael School, Bhind	Counsellor
10	Rev. Fr. Urban John D'Souza	St. Pius X Parish, Sheopur	Parish priest
	Rev. Fr. Urban John D'Souza	St. Pius X School, Sheopur	Principal
11	Rev. Fr. Joseph James	St. Thomas the Apostle Parish, Tekenpur	Parish Priest
	Rev. Fr. Joseph James	St. Thomas the Apostle School, Tekenpur	Principal
12	Rev. Fr. Johnson B. Maria	St. Mary's Parish, Morena	Parish Priest
	Rev. Fr. Johnson B. Maria	St. Mary's School, Morena	Principal
13	Rev. Dr. Joseph Chakkalakkal	St. Peter's School, Dabra	Manager

14	Rev. Fr. Thomas VJ, SAC	Vianny Bhavan DPC, Purani Chawni	To implement BEC in the Diocese
15	Rev. Fr. C. Jerome	St. Maxmillion Kolbe Parish, Indergarh	Parish Priest
	Rev. Fr. C. Jerome	St. Maxmillion Kolbe School, Indergarh	Principal
16	Rev. Fr. Vincent Soares	St. Joseph Minor Seminary	Spiritual director, Professor
17	Rev. Fr. John Pramod	St. Joseph Minor Seminary	Vice-Rector
18	Rev. Fr. Lourdu Nathan	St. Theresa of Child Jesus Parish, Badarwas	Parish Priest
	Rev. Fr. Lourdu Nathan	St. Theresa of Child Jesus School, Badarwas	Principal
19	Rev. Fr. Joseph Palakkudy	House of Life	Member
20	Rev. Fr. Maria Francis	House of Life	Member
21	Rev. Fr. Simon raj	House of life	In Prayer and Retreat
22	Rev. Fr. Arokia Doss	St. Joseph's school, Kargawa	Principal
	Rev. Fr. Arokia Doss	Diocesan centre, Karuna and Bishop's House Campus	Administrator
	Rev. Fr. Arokia Doss	Karuna	Bishop's Secretary
23	Bro.....	Karuna	Bishop's additional Secretary
24	Rev. Fr. Hemant Bag	Lourdu Matha Dham, Naya Amola, Karera	Parish priest
25	Dn. Sanu Alunkal	Lourdu Matha Dham, Naya Amola, Karera	Diaconate Ministry
26	Rev. Fr. Michael Anthone	St. John Paul II Mission, Banmore, Cantonment Property and Kolarus Mission	Mission In charge
27	Rev. Fr. Dianysius R.B		In Prayer and retreat
28	Rev. Dr. Joseph C.G	Ecumenism	Diocesan and Regional Director
29	Rev. Fr. John Pandiyappallil	St. John Vianny School	Manager

Dear Fathers, I wish you all the best. Mutually fix the date and time for taking charge of your new office before 15th June 2023 and intimate it to the Curia to be present for the ceremony. Take care of you, our people and our institutions. Return to the Curia, the copy of the profession of faith and oath for filing. May you all receive God's blessings in abundance.

Love and Prayers

+ Joseph Thykkattil

+Joseph Thykkatil
Bishop of Gwalior

JOSEPH THYKKATTIL BISHOP OF GWALIOR

Mass Reading: May 2023

Sunday	Monday	Tuesday	Wednesday	Thursday	Friday	Saturday
	01 ST. JOSEPH AC 11: 1- 18 JN 10: 11- 18	02 GEN 1: 26 JN 10: 22- 30	03 1 COR 15: 1- 8 JN 14: 6- 14	04 AC 13: 13-25 JN 13: 16-20	05 AC 13: 26- 33 JN 14: 1- 6	06 AC 13: 44- 52 JN 14: 7- 14
07 5TH SUN OF EASTER AC 6: 1- 7 1PET 2: 4- 9 JN 14: 1- 12	08 AC 14: 5- 18 JN 14: 27- 28	09 AC 14: 19- 28 JN 14: 27- 31	10 AC 15: 1- 6 JN 15: 1- 8	11 AC 15: 7- 21 JN 15: 9- 11	12 AC 15: 22- 31 JN 15: 12- 17	13 AC 16: 1- 10 JN 15: 18- 21
14 6TH SUN OF EASTER AC 8: 5-8 1PET 3: 15- 18 JN 15: 26- 28	15 AC 16: 22- 23 JN 16: 5- 11	16 AC 16: 22- 23 JN 16: 5- 11	17 AC 17: 15- 22 JN 16: 12- 15	18 AC 18: 1- 8 JN 16: 16- 20	19 AC 18: 9- 18 JN 16: 20- 23	20 AC 18: 23 JN 16: 23b- 28
21 ASCENSION OF THE LORD AC1: 11- EPH 1: 17- 23 MT 28: 16- 20	22 AC 19: 1- 8 JN 16: 29- 33	23 AC 20: 17 27 JN 17: 1- 11	24 AC 20: 28- 38 JN 17: 11- 19	25 AC 22: 30 JN 17: 20- 26	26 AC 25: 186- 20 JN 21: 20- 25	27 AC 28: 16- 20 JN 21: 20- 25
28 PENTECOST SUN AC 2: 1-11 1COR 12: 3- 7 JN 20: 19- 23	29 GEN 3: 9- 15 JN 19: 25- 34	30 SIR 35: 1- 12 MK 10: 28- 31	31 VISITATION OF BVM ZEPH 3: 14- 18 IS 12: 2- 3 LK 1: 39- 56			